मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 21 अगस्त 2015

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	21/08/15	22/08/15	23/08/15	24/08/15	25/08/15
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	34	34	35	36	36
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	26	26	26	26	26
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	4	4	4	3	3
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	76	74	72	70	70
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	32	30	28	26	26
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	16	18	17	16	15
हवा की दिशा	दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

मूंगफली की फसल में टिक्का रोग बादल छाए रहने व आर्द्रता अधिक होने की दशा में तेजी से फैलता है इसके नियंत्रण के लिए दो किलो डाइथेन एम–45 प्रति हैक्टयर की दर से 1000 लीटर पानो मे घोल बनाकर छिड़काव करें।

फसलो में कीटों की रोकथाम के लिए प्रकाश पाश का भी इस्तेमाल करं। रात को खेत के बीच में एक बल्ब जलाएं और उसके पास एक प्लास्टिक के टब या किसी बड़े बतन में पानी और थोडा मिट्टी का तेल मिला कर रखें। जिससे प्रकाश से कीट आकर्षित होकर उस घोल में गिरकर मर जाएं।

बाजरा की फसल को अरगट रोग से बचाने के लिए सिट्टे निकलते समय 2 किलो मेन्कोजेब का प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

बैक्टीरियल ब्लाइट ग्वार की फसल मे लगने वाली बोमारी है। जिसके कारण पत्तीयों के उपर गोल आकार के धब्बे बन जाते है इसके नियंत्रण हेतु बुवाई के 40–45 दिन बाद 20 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लिन प्रति हैक्टेयर की दर से घोल बनाकर छिडकाव करें।

मुंह–खुरपका, गलघोंटू, ठप्पा रोग, फड़किया रोग, पीपीआर तथा चेचक के टीके नहीं लगवाये हैं, तो अभी भी लगवा लें।

इस मौसम में अत्यधिक हरे कच्चे चारे–घास की उपलब्धता होती है, जिसके ज्यादा खाने से दस्त होने की आम समस्या होती है अतः हरे चारे को सीमित मात्रा में देना ही पशु के लिए लाभकारी रहता है।

(नौडल ऑफीसर)